J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.ymcaust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING: 19.10.2019

THE TRIBUNE

AFFILIATION TO COLLEGES WITHDRAWN

Faridabad: JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has withdrawn affiliation to the Echelon Institute of Technology here from the 2019-20 academic year. The decision to this effect has been taken in view of the non-compliance of conditions laid down in the affiliation ordinance of the university. As per the ordinance, the continuation of provisional affiliation of academic programmes in any institution is granted on the year-to-year basis through inspection. In the communique addressed to the director of the institute, it came to light that it had initially prohibited the university from conducting inspection despite various notices by the university, including the show-cause notice. Further, the reply to this notice submitted by the institute was also found non-satisfactory and it failed to get the inspection done, which is mandatory for the continuation of its provisional affiliation. It is likely to affect the career of over 300 students admitted this year, it is reported.

The Tribune Sat, 19 October 2019 https://epaper.tribur

NEWS CLIPPING: 19.10.2019

PUNJAB KESARI

रोजगार की दृष्टि से नवीनतम एवं अग्रिम क्षेत्र डेटा साइंस

डेटा एनालिटिक्स पर आठ दिवसीय कार्यशाला शुरू

फरीदाबाद, 18 अक्तूबर (ब्यूरो): डेटा एनालिटिक्स की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा डेटा एनालिटिक्स पर आठ दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया है। यह कार्यशाला टीईक्यूआईपी-3 कार्यक्रम के तहत आयोजित की जा रही है, जिसमें 60 से अधिक शोधार्थी और संकाय सदस्य हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. कोमल कुमार भाटिया, कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अतुल मिश्रा और विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ आशुतोष दीक्षित उपस्थित रहे।

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों का संचालन डेटा वैज्ञानिक और मशीन लर्निंग विशेषज्ञ मोहित कुमार तथा व्यवसाय सलाहकार विशेषज्ञ गुंजन थरेजा द्वारा किया जायेगा। कार्यशाला का संयोजन डॉ. नीलम दूहन और डॉ. ज्योति द्वारा किया जा रहा है, जिसे डॉ. ममता, डॉ. दीपिका और डॉ. आश्लेषा द्वारा समन्वित किया गया है। इससे पहले, सत्र को संबोधित करते हुए डॉ कोमल कुमार भाटिया ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और बताया कि कार्यशाला को डेटा एनालिटिक्स में एक सफल कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में उपस्थित प्रतिभागी।

कार्यशाला के दौरान, डेटा एनालिटिक्स जैसे पाइथन, सांख्यिकी, मशीन लर्निंग, एडवांस एक्सेल और एसक्यूएल में वास्तविक समस्याओं एवं मामलों के अध्ययन के साथ व्यावहारिक अभ्यास करवाया जायेगा ताकि प्रतिभागियों को डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करते हुए व्यवसाय और डेटा रणनीति बनाने में सफल बनाया जा सके। डेटा एनालिस्ट और डेया साइंटिस्ट के क्षेत्र में उपलब्ध रोजकार के अवसरों का उल्लेख करते हुए, कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने कहा कि आज के दौर में अधिक से अधिक नौकरियां डेटा-चालित हो रही हैं, तो इस क्षेत्र में प्रासंगिकता बनाये रखने के लिए यह आवश्यक हो गया है कि खुद को अपग्रेड किया जाये। कुलसचिव ने कहा कि डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग रोजगार की दृष्टि से नवीनतम एवं अग्रिम क्षेत्र हैं और भविष्य में भी इसमें बहुत स्कोप होगा इसलिए, इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए सही कौशल प्राप्त करने की आवश्यकता है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sat, 19 October 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/44940551

NEWS CLIPPING: 19.10.2019

HINDUSTAN

कार्यशाला में कई जानकारी दीं

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में शुक्रवार से डाटा एनालिटिक्स पर आठ दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें 60 से अधिक शोधकर्ता और संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया।

इस मौके पर डाटा वैज्ञानिक और मशीन लर्निंग पर मोहित कुमार तथा व्यवसाय सलाहकार विशेषज्ञ गुंजन थरेजा ने कई जानकारियां दी। इसका उद्घाटन कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डॉ. कोमल कुमार भाटिया, कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. अतुल मिश्रा और विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष दीक्षित ने किया।

NEWS CLIPPING: 19.10.2019

NAVBHARAT TIMES

डेटा विज्ञान के बारे में बताया

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: डेटा ऐनालिटिक्स की विभिन्न तकनीकों का प्रशिक्षण देने के लिए जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में डेटा ऐनालिटिक्स पर 8 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला टीईक्यूआईपी-3 कार्यक्रम के तहत आयोजित की जा रही है, जिसमें 60 से अधिक शोधार्थी और स्टाफ के सदस्य हिस्सा ले रहे हैं। पहले सत्र में डॉ. कोमल कुमार भाटिया ने प्रतिभागियों को बताया कि कार्यशाला को डेटा ऐनालिटिक्स में एक सफल करियर बनाने के इच्छुक छात्रों व संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है। कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार ने डेटा एनालिस्ट व डेटा साइंटिस्ट के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अपने आप को बनाए रखने के लिए खुद को अपग्रेड करते रहने की जरूरत होती है। डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग रोजगार की नजर से नए क्षेत्र हैं। भविष्य में भी इसमें बहुत स्कोप होगा, इसलिए इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए सही कौशल प्राप्त करने की जरूरत है। कार्यशाला के तकनीकी सत्रों का संचालन डेटा वैज्ञानिक और मशीन लर्निंग विशेषज्ञ मोहित कुमार और व्यवसाय सलाहकार विशेषज्ञ गुंजन थरेजा ने किया।

NEWS CLIPPING: 19.10.2019

AMAR UJALA

जेसी बोस विवि ने खत्म की एश्लॉन इंस्टीट्यूट की संबद्धता

विश्वविद्यालय की शर्तों को पूरा न करने पर कार्रवाई

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विश्वविद्यालय ने एश्लॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (ईआईटी) की संबद्धता खत्म कर दी है। विवि के अनुसार एश्लॉन इंस्टीट्यूट संबद्धता अध्यादेश में निर्धारित शर्तों को पूरा नहीं कर सका। इंस्टीट्यूट की संबद्धता को हर वर्ष विवि सदस्यों की संस्तुति रिपोर्ट के आधार पर बढ़ाया जा रहा था। हालांकि, बीते वर्षों से भी इंस्टीट्यूट में संलग्नता शर्तों को पूरा करने में कुछ कमियां थी। लेकिन इस वर्ष किसी भी शर्त को पूरा न करने के कारण संबद्धता खत्म कर दी है। ऐसे में संस्थान किसी भी तकनीकी कोर्स से विवि का संबद्ध नहीं दर्शा सकेगा। ऐसे में इंस्टीट्यूट में मौजूदा सत्र में दाखिला ले चुके बीटेक-बीबीए-बीसीए के सैकड़ों युवाओं का भविष्य दाव पर है। जबकि पुराने छात्रों के लिए विवि ने जल्द ही दिशानिर्देश जारी करने का आश्वासन दिया है।

विवि ने बृहस्पतिवार को निर्णय की कॉपी इंस्टीट्यूट निदेशक-प्राचार्य, प्रदेश के तकनीकी शिक्षण संस्थान विभाग के महानिदेशक, ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेकिभनकल एजुकेशन के सदस्य सचिव को भेजी है। विवि प्रवक्ता जितेंद्र यादव ने बताया कि प्रत्येक संबद्ध संस्थान को विश्वविद्यालय के संबद्धता अध्यादेश में निर्धारित शर्तों का पालन करना अनिवार्य है। इसी के आधार पर हर वर्ष निरीक्षण प्रक्रिया के आधार पर शैक्षणिक कार्यक्रमों के अंतरिम संबद्धता को वार्षिक रुप से बढ़ाया जाता है। जबकि एश्लॉन इंस्टीट्यूट शुरू से ही विवि प्रबंधन को निरीक्षण में सहयोग देने से कतरा रहा था। ऐसे में विश्वविद्यालय ने संस्थान को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

मौजूदा सत्र में प्रवेश लेने वालों का भविष्य दांव पर लगा

विभिन्न माध्यमों से पत्राचार की कोशिश की गई। एश्लॉन इंस्टीट्यूट की ओर से 'कारण बताओ नोटिस' का जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। ऐसे में अंतिम मौके के रूप में निरीक्षण कराने में भी इंस्टीट्यूट असफल रहा। इसीलिए संबद्धता खत्म कर दी गई।

NEWS CLIPPING: 19.10.2019

DAINIK BHASKAR

जेसी बोस विश्वविद्यालय ने एश्लान इंस्टीट्यूट की संबद्धता समाप्त की

विविने निर्धारित शर्तों को पूरा न करने के कारण यह निर्णय लिया

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने एश्लान इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी (ईआईटी) की संबद्धता को समाप्त कर दिया है। यह निर्णय एश्लान इंस्टीट्यूट द्वारा विश्वविद्यालय के संबद्धता अध्यादेश में निर्धारित शर्तों को पूरा न करने के कारण लिया गया। विश्वविद्यालय ने एश्लान इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के निदेशक-प्राचार्य को जारी आदेश में कहा है कि प्रत्येक संबद्ध संस्थान को विश्वविद्यालय के संबद्धता अध्यादेश में निर्धारित संबद्धता की शर्तों का पालन अनिवार्य है और उक्त अध्यादेश के अनुसार निर्धारित निरीक्षण प्रक्रिया के माध्यम से किसी भी संस्थान में शैक्षणिक कार्यक्रमों के अंतरिम संबद्धता को वर्ष दर वर्ष जारी रखा जाता है। जबकि एश्लान इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी ने शुरूआत में ही यूनिवर्सिटी को निरीक्षण करने में सहयोग नहीं दिया। इसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस सहित विभिन्न पत्राचार के बावजूद एश्लान इंस्टीट्यूट शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के लिए अपनी अंतरिम संबद्धता को जारी रखने के लिए निरीक्षण कराने में असफल रहा। जो संबद्धता जारी रखने के लिए अनिवार्य था। एश्लान इंस्टीट्यूट द्वारा दिया गया कारण बताओ नोटिस का जवाब भी संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद भी यूनिवर्सिटी ने एश्लान इंस्टीट्यूट को निरीक्षण का अंतिम अवसर प्रदान किया, लेकिन एश्लान इंस्टीट्यूट इसका लाभ उठाने से वंचित रहा।